AMAR UJALA MY CITY PAGE 1 & 6

लविवि : तीन और शिक्षक संक्रमित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों के कोरोना संक्रमित होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। रविवार को तीन और शिक्षकों के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी विश्विद्यालय प्रशासन को मिली। इस तरह अब तक 13 शिक्षक संक्रमित हो चुके हैं। जबकि दो अधिकारी व कर्मचारी भी इसकी चपेट में आये हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीएड : 15% बढ़ेंगे प्रवेश परीक्षा केंद्र

लखनऊ। प्रदेश के बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए 19 मई को प्रस्तावित संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में पिछले साल की अपेक्षा आवेदकों की संख्या बढ़ने और कोरोना के चलते इस बार परीक्षा केंद्रों की संख्या 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। पिछले साल जहां कुल 4,31,904 आवेदन आये थे, वहीं इस बार यह संख्या बढ़कर 5,91,252 हो गई है। पिछले साल प्रदेश भर में 1300 केन्द्रों पर प्रवेश परीक्षा हुई थी। प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि हम जल्द ही केन्द्रों को अंतिम रूप देंगे। अगर अभ्यर्थी को पहली पसंद का जिला नहीं मिलता तो दूसरी वरीयता दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

कॉलेजों में ऑनलाइन क्लास की मांगी सहमति

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों व कॉलेजों की मांग पर लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर सहयुक्त कॉलेजों में भी 10 अप्रैल तक ऑनलाइन क्लासेज की अनुमति मांगी है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने डीएम को पत्र भेजकर इस पर सहमति मांगी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने पाया एक और मुकाम

ई-कंटेंट में एलयू दूसरे नंबर पर

9349 ई-कंटेंट अपलोड करते हुए विश्वविद्यालय ने प्रदेश में मारी बाजी

सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड करने वाले शिक्षको को किया जाएगा पुरस्कृत

सात महाविद्यालयों में अवध कालेज भी शामिल

शासन की ओर से जारी पत्र के मुताबिक 31 अक्टूबर तक की अवधि में उत्तर प्रदेश के सात कालेज ऐसे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा ई-कंटेंट पोर्टल पर अपलोड किए. इसमें 246 ई-कंटेंट के साथ सातवें स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध अवध गर्ल्स डिग्री कालेज ने जगह बनाई है.

LUCKNOW (4 April): कोरोना काल में देश में लॉकडाउन लगा तो प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों ने ऑनलाइन टीचिंग शुरू कर दी. इस बीच शासन ने ई-कंटेंट को बढ़ावा देने की योजना बनाई. उन शिक्षकों को पुरस्कृत करने का फैसला लिया गया जो उच्च शिक्षा विभाग की डिजिटल लाइब्रेरी के पोर्टल पर सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड करेंगे. लखनऊ यूनिवर्सिटी के टीचर्स ने इसमें बाजी मारी है. 9349 ई-कंटेंट अपलोड करते हुए विश्वविद्यालय ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है. उच्च शिक्षा विभाग सबसे ज्यादा ई-कंटेंट अपलोड करने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत करेगा.

डिजिटल लाइब्रेरी बनी

उच्च शिक्षा विभाग ने बीते वर्ष पांच सितंबर को डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया था. छात्रों के हित में ई-कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों से अधिक से अधिक ई-कंटेंट उपलब्ध कराने के लिए सितंबर-अक्टूबर 2020 को विद्यादान माह भी मनाया गया. इस बीच 31 अक्टूबर तक प्रदेश भर से शिक्षकों ने ई-कंटेंट अपलोड किए. इसमें सबसे ज्यादा डा. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा के बाद दूसरे स्थान पर लखनऊ यूनिवर्सिटी के टीचर्स शामिल हैं.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के टीचर्स ने इसमें बाजी मारी है. 9349 ई-कंटेंट अपलोड करते हुए विश्वविद्यालय ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है. उच्च शिक्षा विभाग सबसे ज यादा ई-शिक्षक को पुरस्कृत भी किया जायेगा.

टॉप 10 शिक्षकों में प्रो. अनिल

ई-कंटेंट के लिए प्रदेश के 10 टॉप कंटेंट क्रिएटर वाले शिक्षकों के नाम भी जारी किए गए हैं. इनमें 527 ई-कंटेंट के साथ पांचवें स्थान पर लविवि के केमेस्ट्री के प्रो. अनिल मिश्रा और 423 ई-कंटेंट के लिए फिजिक्स के डा. आरके शुक्ला का नाम शामिल है. इसके अलावा प्रत्येक विषय आधारित सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड करने वालों में 44 अन्य शिक्षक के नाम भी हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

ई-कंटेंट अपलोड करने में लविवि को दूसरा स्थान

जास, लखनऊ : कोरोना काल में लाकडाउन लगा तो प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षण संस्थानों ने आनलाइन पढ़ाना शुरू किया। इस बीच शासन ने ई-कंटेंट को बढ़ावा देने की योजना बनाई। उन शिक्षकों को पुरस्कृत करने का फैसला लिया गया जो उच्च शिक्षा विभाग की डिजिटल लाइब्रेरी के पोर्टल पर सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड करेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने इसमें बेहतर प्रदर्शन किया। 9,349 ई-कंटेंट अपलोड करते हुए विश्व विद्यालय ने प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया है। पहले स्थान पर डा. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा रहा।

उच्च शिक्षा विभाग ने बीते वर्ष पांच सितंबर को डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ किया था। छात्रों के हित में ई-कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों से अधिक से अधिक ई-कंटेंट उपलब्ध कराने के लिए सितंबर-अक्टूबर 2020 को विद्यादान माह भी मनाया गया। इस बीच 31 अक्टूबर तक प्रदेशभर से शिक्षकों ने ई-कंटेंट अपलोड किए। इसमें सबसे ज्यादा डा. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा के बाद दूसरे स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक शामिल हैं। उच्च शिक्षा विभाग सबसे ज्यादा ई-कंटेंट अपलोड करने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत करेगा।

सात महाविद्यालयों में अवध कालेज भी शामिल : शासन की ओर से जारी पत्र के मुताबिक 31 अक्टूबर तक की अवधि में उत्तर प्रदेश के सात कालेज ऐसे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा ई-कंटेंट पोर्टल पर अपलोड किए। इसमें 246 ई-कंटेंट के साथ सातवें स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध अवध गर्ल्स डिग्री कालेज ने जगह बनाई है।

उपलब्धि

- लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपलोड किए 9,349 ई-कंटेंट
- भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा रहा अव्वल

टॉप-10 शिक्षकों में प्रो. अनिल और डा. आरके शुक्ल

ई-कंटेंट के लिए प्रदेश के टॉप-10 कंटेंट बनाने वाले शिक्षकों के नाम भी जारी किए गए हैं। इनमें 527 ई-कंटेंट के साथ पांचवें स्थान पर लविवि के केमेस्ट्री के प्रो. अनिल मिश्रा और 423 ई-कंटेंट के लिए फिजिक्स के डा. आरके शुक्ला का नाम शामिल है। इसके अलावा प्रत्येक विषय आधारित सर्वाधिक ई-कंटेंट अपलोड करने वालों में 44 अन्य शिक्षक के नाम भी हैं।

में उत्तर प्रदेश के सात कालेज ऐसे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा ई-कंटेंट पोर्टल पर अपलोड किए। इसमें 246 ई-कंटेंट के साथ सातवें स्थान पर लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध अवध गर्ल्स डिग्री कालेज ने जगह बनाई है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

कक्षोन्नति की ओर बढ़ रहा है लविवि

लखनऊ (एसएनबी)। तेजी से बढ़ते कोरोनावायरस के चलते एक वार फिर लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों की पढ़ाई अधर में लटकती दिख रही है, एक तरफ जहां डिग्री कालेजों के शिक्षक नेता विश्वविद्यालय पर लगातार यह दवाव वनाने में लगे हुए हैं कि किसी तरह से छात्रों को प्रमोट कर दिया जाए उनकी परीक्षाएं ना ली जाएं तो वहीं दूसरी तरफ लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार डा.विनोद कुमार सिंह ने अभी तक 10 अप्रैल तक के लिए आनलाइन कक्षाएं चालू करने के निर्देश दिए गए हैं, तो वहीं दूसरी तरफ 6 अप्रैल से शुरू होने वाली परीक्षाओं को 11 अप्रैल तक ही टाला गया है। अव देखना यह है कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन अगले कुछ दिनों में परीक्षाएं करा पाता है या छात्रों को प्रमोट करके उन्हें अगली कक्षा में जाने देता है अथवा हालात ऐसे वनते हैं कि उनकी परीक्षाएं संभव हो सके। लखनऊ विश्वविद्यालय में ही पिछले

तेजी से बढ़ रहे कोरोना के केस, 11 अप्रैल तक परीक्षाएं टलीं

10 अप्रैल तक ऑनलाइन कक्षाएं चलाने के निर्देश

दिनों में करीव दो दर्जन से अधिक शिक्षकों को कोरोना हो चुका है, यही नहीं विवि प्रशासन की जिम्मेदारी सम्भाल रहे कई लोगों को भी ऐसी दिक्कतें वढ़ रही हैं।

वहीं दूसरी तरफ लुआक्टा के अध्यक्ष डा.मनोज पाण्डेय का कहना है कि डिग्री कालेजों में स्नातक समेत सभी कोर्सों की पढ़ाई ऑनलाइन करने और परीक्षाएं समाप्त करके प्रमोट करने के लिए उन लोगों ने लविवि कुलपति समेत अन्य जगहों पर प्रत्यावेदन सौंप दिया है। वहीं दूसरी तरफ लविवि प्रवक्ता डा.दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि शासन के निर्णयों व जिला प्रशासन की देखरेख में हालात के आधार पर ही परीक्षाओं के वावत कुछ निर्णय होगा। फिलहाल 11 अप्रैल तक की परीक्षाओं को टाल दिया गया है।

TOI PAGE 2

Eight more LU teachers test +ve for Covid

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Eight more teachers of Lucknow University tested positive for the novel coronavirus infection on Sunday, taking the tally to 15 in the past one week. These included a teacher each from department of chemistry, public administration, sanskrit, philosophy, commerce and Institute of Management Sciences and two from engineering.

"We are monitoring the situation and the decision regarding online teaching will be taken after a review on April 11," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Times View

Authorities should make the data of reinfections and infection after vaccination public to make people aware of the consequences if they ignore safety protocols. There is a misconception among some that antibodies developed after vaccination or by contracting Covid-19 would protect them from the virus in future. This makes them drop their guards.

JAGRAN CITY PAGE I

सेंसर बताएगा हवा का स्वास्थ्य

अखिल सक्सेना • लखनऊ

अब एक छोटा सा सेंसर वातावरण में फैली हवा का स्वास्थ्य बताएगा। किस क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता सबसे ज्यादा खराब है, इसकी जानकारी आसानी से मिल सकेगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. महेंद्र अग्निहोत्री जल्द ही कुछ इस तरह का सेंसर तैयार करेंगे। इस प्रोजेक्ट को शासन से भी मंजूरी मिल गई है।

डा. महेंद्र अग्निहोत्री बताते हैं कि वातावरण में हवा की गुणवत्ता कभी-कभी बहुत खराब हो जाती है। इसके लिए वैसे तो बाजार में कई सेंसर हैं, लेकिन मेरा सेंसर यूनिक होगा। नैनो स्ट्रक्चर्ड आक्साइड आधारित इस सेंसर की कीमत काफी कम होगी। कई बार मैनहोल में काम करने के दौरान मजदूर बेहोश हो जाते हैं या कोयले की खदान में काम के दौरान सांस लेने में दिक्कत आती हैं। इस सेंसर से यह पता चल जाएगा कि वहां सांस लेने वाली हवा की स्थिति क्या है। इससे सुरक्षा के उपाय किए जा सकेंगे। यह तीन साल का प्रोजेक्ट होगा। पहले साल के लिए पांच लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय

- रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय को शासन से मिला प्रस्ताव
- विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर तैयार करेंगे इस तरह का सेंसर

16 प्रोजेक्ट को मिली मंजूरी

शासन हर साल रिसर्च एवं डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत सभी राज्य विश्वविद्यालयों से प्रस्ताव लेता है। स्क्रीनिंग कमेटी के बाद बेस्ट रिसर्च प्रोजेक्ट को स्वीकृति मिलती है। इस बार लविवि के खाते में 16 शोध प्रस्ताव आए हैं। इनमें सबसे ज्यादा साइंस फैकल्टी के प्रस्ताव मंजूर हुए हैं। शासन ने लविवि के कुलसचिव को शोध प्रस्तावों के लिए करीब 54 लाख रुपये की स्वीकृति के आदेश भेज दिए हैं।

इन शिक्षकों भी मिला रिसर्च प्रोजेक्ट

प्रो. आंचल श्रीवास्तव, डा. अतुल श्रीवास्तव, डा. मो. इजराइल अंसारी, प्रो. आरके शुक्ला, प्रो. राजीव मेहरोत्रा, डा. अशोक कुमार सिंह, डा. मनोज कुमार, डा. पंकज माथुर, डा. मीनल गर्ग, डा. एके सिंह, डा. पुनीत मिश्रा, डा. राजीव पांडेय, डा.सुचित स्वरूप, डा. प्रमोद कुमार गुप्ता, डा. राकेश कुमार सिंह।

AMRIT VICHAR PAGE 3

बीएड आवेदन में संशोधन का मौका समाप्त

लखनऊ। संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए त्रुटि सुधार का मौका रविवार को समाप्त हो गया। इस बार 7,32,474 पंजीकरण के सापेक्ष 5,91,252 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यह आंकड़े भी पिछले साल की अपेक्षा 41,252 अधिक हैं। आवेदन के बाद अब गुरुवार से अभ्यर्थियों को आनलाइन सिस्टम से आवेदन में संशोधन करने का मौका दिया गया था, इसकी समय सीमा चार अप्रैल तक थी जो कि समाप्त हो गयी है। बता दें कि बीएड कालेजों में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा 19 मई को प्रस्तावित है। इसके लिए बीते फरवरी से आनलाइन आवेदन शुरू हो गए थे। 31 मार्च लेट फीस के साथ मौका दिया गया था। बीएड की राज्य प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि जिन लोगों ने त्रुटि संशोधन के लिए आवेदन किया वह आपने फॉर्म का प्रिंटआउट सुरक्षित रखेंगे।

एलयू ने ऑनलाइन क्लास की दी संस्तुति

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ (लुआक्टा) ने महाविद्यालयों में भी ऑनलाइन कक्षाएं कराए जाने की मांग की है यदि जिला प्रशासन की ओर कालेजों में ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करने की सहमति नहीं मिलती तो लुआक्टा छह अप्रैल से आंदोलन करने की रणनीति तय कर दी है। हालांकि रविवार की शाम को लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से जिलाधिकारी को ऑनलाइन क्लास 10 अप्रैल तक चलाने की संस्तुति कर दी गई है।

संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने जिलाधिकारी व लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव को पत्र लिखा था, ताकि शिक्षक व छात्र दोनों ही कोरोना संक्रमण से बचे रहें। विश्वविद्यालय में संक्रमण का तेजी से फैलाव होने के कारण 11 अप्रैल तक ऑनलाइन कक्षाएं कराए जाने का निर्णय लिया गया है। इस पर संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में कोरोना संक्रमण के कारण ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के लिए जिलाधिकारी से अनुमोदन प्राप्त किये जाने के लिए पत्र लिखा था। उन्होंने कहा कि यह खेद का विषय है कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मात्र परिसर का उल्लेख किया गया जबकि विश्वविद्यालय समस्त महाविद्यालयो का संरक्षक है और विश्वविद्यालय के समस्त नियम महाविद्यालयों पर भी लागू होते हैं। वर्तमान में विभिन्न कालेजों के शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के संक्रमित होने की सूचना है। प्रदेश में कोरोना दो गुने दर से और लखनऊ में ढाई गुने दर से वृद्धि हो रही है। संक्रमण की गंभीरता को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति द्वारा लुआक्टा के प्रस्ताव पर 6 अप्रैल 11 से प्रस्तावित परीक्षाओं के संचालन का कार्य स्थगित कर दिया है।

रणनीति तय

- **ऑनलाइन पढ़ाई का निर्णय न होने पर लुआक्टा करेगा आंदोलन**
- **लखनऊ विश्वविद्यालय ने लिखा जिलाधिकी को पत्र**

लविवि समेत कालेजों में कोरोना के बढ़े संक्रमित

लखनऊ विश्वविद्यालय समेत डिग्री कॉलेजों में कोरोना संक्रमण के कारण हड़कम्प मचा हुआ है। लखनऊ विश्वविद्यालय में कोरोना संक्रमितों का आकड़ा करीब दो दर्जन के करीब हो चुके है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कई विभागों के शिक्षक कोरोना की चपेट में आ चुके है। महिला गर्ल्स डिग्री कॉलेज में चार, नारी शिक्षा निकेतन डिग्री कॉलेज में एक, आईटी कॉलेज में दो, नवयुग डिग्री कॉलेज और जय नारायण पीजी कॉलेज में एक- एक शिक्षक को कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा केकेसी का एक छात्र भी संक्रमित पाया गया है। सूत्रों की मानें तो महिला गर्ल्स डिग्री कालेज और नवयुग डिग्री कालेज में शिक्षिकाओं को बुलाया जा रहा है और उनसे वहीं कालेज से ऑनलाइन क्लास लेने के लिए भी कहा जा रहा है।